



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)  
PART II—Section 3—Sub-section (1)  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 213]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 5, 1991/ज्येष्ठ 15, 1913

No. 213] NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 5, 1991/JYAISTHA 15, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह जलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

जल-मृत परिरहन मंत्रालय

(परिरहन पत्र,

प्रसिद्धि)

नई दिल्ली, 5 जून, 1991

प्राकृत नियम

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम मोटर यान का संपूर्ण प्रकार (छूट के लिए शर्तों का विहित किया जाना) नियम, 1991 है।

(2) ये इनके राजपत्र में प्रतिम प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. नियम 93 से छूट दिए जाने के लिए शर्तें :—राज्य सरकार किसी मोटर यान या मोटर यानों के किसी वर्ग या प्रकार को, केन्द्रीय मोटर यान नियम, 1989 के नियम 93 के उपबंधों से, इन नियमों में विनिर्दिष्ट सभी या किसी शर्त को पूरा करने के अधीन रहते हुए, जिसे कि उक्त सरकार अधिरोपित करना ठीक समझे, छूट दे सकेगी, यथातः—

(1) उक्त मोटर यान या मोटर यानों का वर्ग या प्रकार :—

(क) ऐसे भार निर्बंधनों का पालन करना जो कि राज्य सरकार इस निमित्त आदेश द्वारा विनिर्दिष्ट करे,

(ख) ऐसे यानों को सड़क पर लाने से पहले ऐसे अधिकारों से जो कि राज्य सरकार द्वारा इस निमित्त विनिर्दिष्ट किया जाए पूर्व अनुज्ञा प्राप्त करेगा,

सा. का. नि. 299 (प्र) :—कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्राकृत जिन्हें केन्द्रीय सरकार, मोटर यान अधिनियम, 1988 (1988 का 59) की धारा 110 की उपधारा (3) के खंड (ख) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाने की प्रत्यापना करती है, उक्त अधिनियम की धारा 212 की उपधारा (1) की प्रेरणा-नुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है और उसके द्वारा सूचना दी जाती है कि इस अधिसूचना से युक्त राजपत्र जस्ता को उपलब्ध करा दिए जाने की तारीख से 30 दिन की अवधि के प्रकाशन के पश्चात् उक्त प्राकृत नियमों पर विचार किया जाएगा।

2. उक्त प्राकृत नियमों के संबंध में इसके लिए विनिर्दिष्ट अवधि से पहले किसी व्यक्ति से प्राप्त किन्हीं प्रार्थनों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

(ग) यदि वे लगे हुए हों, सड़क पर ऐसे पुलों और पार-गामी जलनिकास संरचनाओं जिन्हें राज्य सरकार उक्त संरचनाओं की सुरक्षा का ध्यान रखते हुए विनिर्दिष्ट करें, के ऊपर से यात्रा नहीं करेंगे;

(घ) जहाँ खंड (ग) के अधीन उक्त खंड में विनिर्दिष्ट संरचनाओं के ऊपर से यात्रा करने का निषेध किया गया हो, स्वामी या परिव्राजक अपने व्यय से राज्य सरकार द्वारा इस निमित्त विनिर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा दिए गए विनिर्देशों के अनुसार नबी पार करने का इंतजाम करेगा;

(ङ) ऐसे वाहनों के संचालन की अधिम सूचना ऐसे प्राधिकारी या अधिकारी को देगा जिसे राज्य सरकार इस निमित्त विनिर्दिष्ट करे,

(च) आवश्यक जेताबनी संकेतों, जैसे दिन के समय लाल झंडी और रात्रि के समय लाल प्रकाश तथा परावर्तकों से सज्जित होंगे जिससे कि यान का अंतिम छोर स्पष्ट रूप से उपलब्ध किया जा सके;

(छ) बिना किसी प्रतिबाधा के यातायात की सामान्य गति से गतिमान होगा;

(ज) गति सीमा 16 किलोमीटर प्रति घंटा से अधिक नहीं होगी।

(2) जहाँ ऐसे यान के संचालन के कारण प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः सड़क या सड़क संरचनाओं को कोई नुकसान हुआ हो, तो यान का ड्राइवर या परिव्राजक राज्य सरकार को उतनी रकम के संवाय का दावा होगा जितनी कि इस निमित्त प्राधिकारियों द्वारा निर्धारित की जाए।

(3) राज्य सरकार उनके अधिनियम से ऐसे यान या उसकी अस्त-वस्तु को हुए किसी नुकसान के लिए उत्तरदायी नहीं होगी।

(4) इन नियमों के अधीन किसी छूट का दिया जाना इस निमित्त राज्य सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट प्राधिकारियों के सूचकों, पत्रों, संरचनाओं और अन्य सड़क उपयोक्तारों की सुरक्षा का ध्यान रखते हुए, ऐसे यानों के संचालन का नियमन या रोकने के अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना होगा।

(5) राज्य सरकार, यान के ड्राइवर या स्वामी के परामर्श से, ऐसे यानों के संचालन के लिए सड़क की उपयुक्तता, मोड़ प्रार करने की संभाव्यता प्रति विशेष रूप से निमित्त क्षेत्रों में, सड़क की चौड़ाई की पर्याप्तता, उर्ध्व निर्माण की पर्याप्तता का निर्धारण करने के लिए मार्ग सर्वेक्षण कर सकेगी और निष्कर्ष में पाई गई कमियों का सुधार यान के ड्राइवर या स्वामी द्वारा किया जायेगा।

(6) इन नियमों के अधीन दी गई छूट केवल अपने अपने राज्य विभाग के लोक निर्माण विभाग के क्षेत्राधिकार में आने वाली सड़कों पर ऐसे यानों को चलाने के लिए लागू होगी और यान के ड्राइवर या उसके स्वामी को अन्य विभागों या स्वामीय निकाय प्राधिकारियों से उनके क्षेत्राधिकार में आने वाली सड़कों पर यान चलाने के लिए अनुमति प्राप्त करने के लिए स्वयं इंतजाम करना होगा।

3. शर्तों का पूरा किया जाना:—शर्तों को पूरा करने के लिए यह घोषित किया जाता है कि किसी राज्य में इन नियमों के अधीन दी गई छूट केवल उसी राज्य में विद्यमान होगी और यदि ड्राइवर किसी अन्य राज्य में यान चलाने की प्रतिस्थापना करता है तो वह छूट दी जाने के लिए उस राज्य में पृथक से आवेदन करेगा और

उस वशा में ऐसी छूट का दिया जाना ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए होगा जैसा कि उक्त राज्य सरकार इन नियमों के अनुसरण में अधिरोपित करना ठीक समझे।

[फा. मं. आर.टी.—11042/8/90-एम बी एम]

जी. के. पिल्ले, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Transport Wing)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 5th June, 1991

G.S.R. 299(E) :—The following draft of certain rules which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by clause(b) of sub-section(3) of Section 110 of Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988) is hereby published as required by sub-section (1) of Section 212 of the said Act for information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft would be taken into consideration after the expiry of a period of 30 days from the date on which the copies of this notification as published in the Gazette of India are made available to the public.

2. Any objections or suggestions, which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period so specified will be considered by the Central Government.

### DRAFT RULES

1. Short title and commencement:—(1) These rules may be called overall Dimensions of Motor Vehicles (Prescription of conditions for Exemption) Rules, 1991.

(2) They shall come into force on the date of their final publication in the official Gazette.

2. Conditions for the grant of exemption from Rule 93:—The State Government may exempt any motor vehicle or any class or description of motor vehicles from the provisions of Rule 93 of the Central Motor Vehicles Rule, 1989, subject to the fulfilment of any or all of the conditions specified in these rules which that Government may deem fit to impose, namely:—

(1) such motor vehicle or class or description of motor vehicles shall:

(a) observe such load restrictions as the State Govt. may by order specify in this behalf;

(b) obtain the previous permission of such authority as may be specified by the State Govt. in this behalf before putting such vehicles on the road;

(c) not if they are loaded; travel over such bridges and cross-drainage structures on the road, which the State Government may having regard to the safety of the road structures specify;

(d) where prohibited under clause (c) to travel over the structure referred to in that clause, the owner or transporter shall at his cost make arrangements to cross the rivers in accordance with the directions given by the authority specified by the State Government in this behalf;

- (e) give advance intimation to such authority or officer specified in this behalf by the State Govt. regarding the movement of such vehicles;
  - (f) equip with necessary warning signals such as red flags in the day time, red light and reflectors in the night time so as to indicate the extreme positions of the vehicle clearly;
  - (g) move without any hindrance to the normal flow of traffic;
  - (h) not exceed the speed limit of 16 kms. per hour.
- (2) Where any damage is caused to the roads or road structures directly or indirectly due to the movement of such vehicles, the operator of the vehicle or the transporter shall be liable to pay such amount to the State Government as may be assessed by the authorities in this behalf;
- (3) The State Government shall not be liable for any damage that may be caused to such vehicles or their contents through their transits;
- (4) Any grant of exemption under these rules shall be without prejudice to the right of the authorities specified in this behalf by the State Government to regulate or stop the movement of such vehicles having regard to the safety of roads, bridges, structures and other road users;
- (5) The State Government may, in consultation with the operator of the vehicle or the owner conduct a route survey to assess the fitness of the roads for movement of such vehicles, feasibility of negotiating the curves more particularly in built-up areas sufficiency of road width, adequacy of vertical clearance and any deficiencies identified in the assessment shall be rectified by the operators or owners of the vehicles;
- (6) Exemption granted under these rules shall be applicable only for operating such vehicles on roads lying within the jurisdiction of the Public Works Department of the respective State Department and operators of the vehicles or their owners thereof shall make their own arrangements to obtain the approval of the other Departments or local body authorities for plying on the roads lying within their jurisdiction.
3. Removal of Doubts:—For removal of doubts, it is hereby declared that any exemption granted under these rules in any State shall be valid only in the State and if the operator of the vehicle propose to ply the vehicle in any other State, he shall apply separately to that State for the grant of exemption, in which case the grant of such exemption shall be subject to such condition as that State Govt. may deem fit to impose in accordance with these rules.

[F.No. RT-11042/8/90—MVL]

G.K. PILLAI, Jt. Secy.

